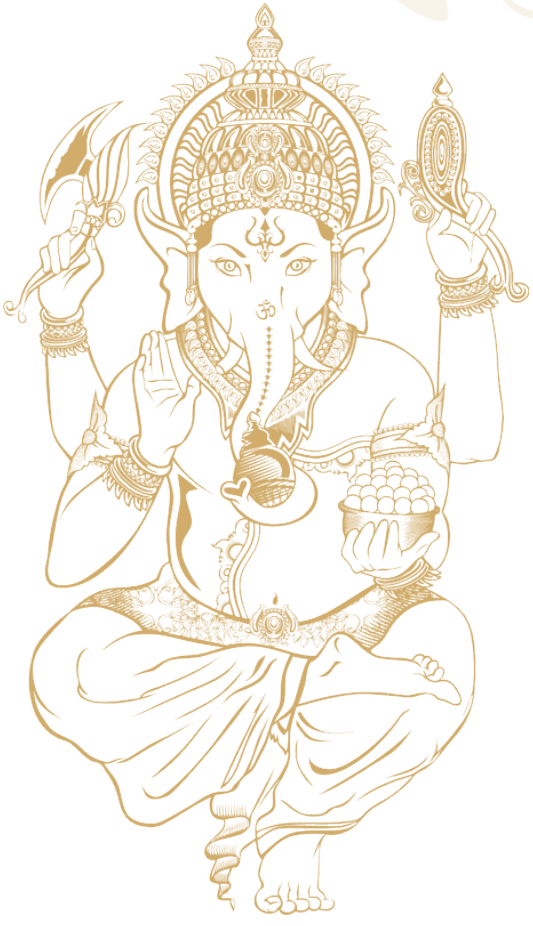

Prabhat Chaturvedi

21 Apr 1967

04:50 PM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121332803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/04/1967**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**16:50:00 घंटे**
इष्ट	27:41:06 घटी
स्थान	**Jabalpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:10:00 उत्तर
रेखांश	79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:39:48 घंटे
वेलान्तर	00:01:08 घंटे
साम्पातिक काल	06:35:11 घंटे
सूर्योदय	05:45:33 घंटे
सूर्यास्त	18:33:01 घंटे
दिनमान	12:47:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	07:16:12 मेष
लग्न के अंश	14:40:58 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	14:40:58	331:14:15	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
सूर्य			मेष	07:16:12	00:58:32	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	24:35:24	14:47:02	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल	व		कन्या	29:08:25	00:22:29	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
बुध			मीन	17:26:39	01:40:32	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	नीच राशि
गुरु			कर्क	02:30:37	00:05:32	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	उच्च राशि
शुक्र			वृष	14:55:14	01:10:20	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	स्वराशि
शनि			मीन	12:33:49	00:07:02	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		मेष	13:31:45	00:00:55	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	13:31:45	00:00:55	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
हर्ष	व		सिंह	27:28:23	00:01:48	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		वृश्चि	00:11:38	00:01:28	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
प्लूटो	व		सिंह	24:56:25	00:01:05	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			मिथु	14:40:50	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:50

लग्न-चलित

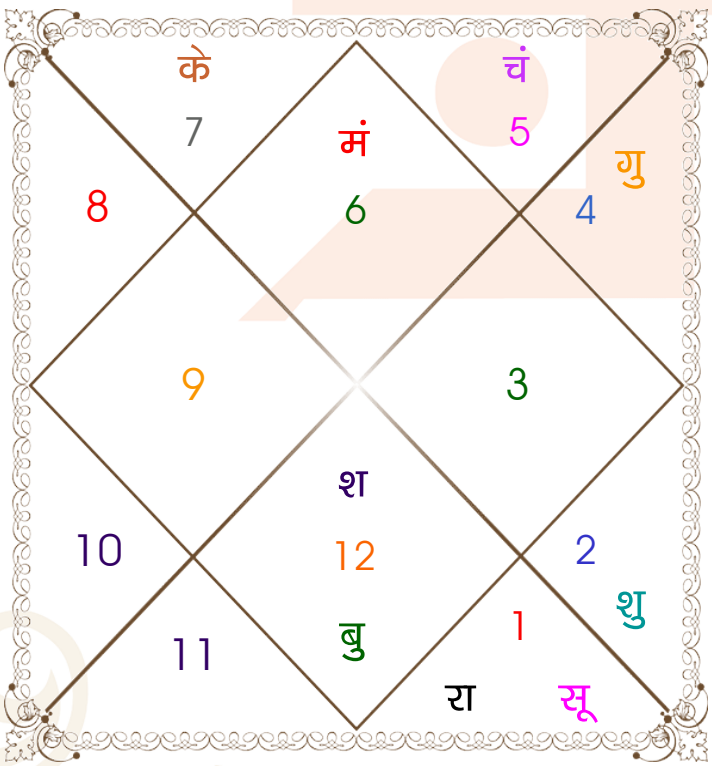

चन्द्र कुंडली

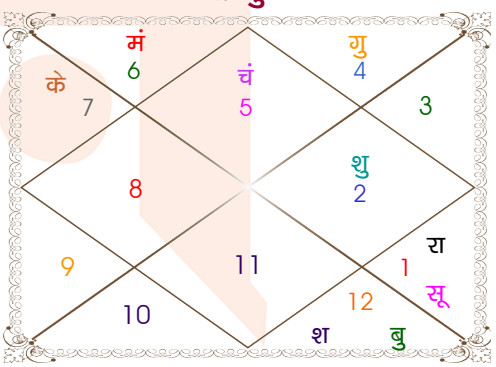

नवमांश कुंडली

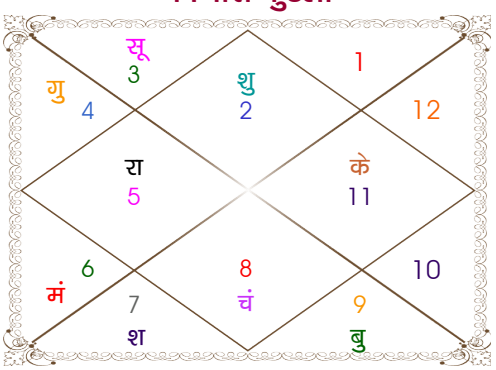

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 1 मास 11 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/04/1967		02/06/1970		01/06/1976		02/06/1986		02/06/1993	
02/06/1970		01/06/1976		02/06/1986		02/06/1993		02/06/2011	
	00/00/0000	सूर्य	20/09/1970	चंद्र	02/04/1977	मंगल	29/10/1986	राहु	13/02/1996
	00/00/0000	चंद्र	21/03/1971	मंगल	01/11/1977	राहु	17/11/1987	गुरु	08/07/1998
	00/00/0000	मंगल	27/07/1971	राहु	03/05/1979	गुरु	22/10/1988	शनि	14/05/2001
	00/00/0000	राहु	20/06/1972	गुरु	01/09/1980	शनि	01/12/1989	बुध	02/12/2003
	00/00/0000	गुरु	08/04/1973	शनि	02/04/1982	बुध	29/11/1990	केतु	19/12/2004
	00/00/0000	शनि	21/03/1974	बुध	02/09/1983	केतु	27/04/1991	शुक्र	20/12/2007
	21/04/1967	बुध	25/01/1975	केतु	02/04/1984	शुक्र	26/06/1992	सूर्य	13/11/2008
बुध	02/04/1969	केतु	02/06/1975	शुक्र	01/12/1985	सूर्य	01/11/1992	चंद्र	15/05/2010
केतु	02/06/1970	शुक्र	01/06/1976	सूर्य	02/06/1986	चंद्र	02/06/1993	मंगल	02/06/2011

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/06/2011		02/06/2027		02/06/2046		02/06/2063		02/06/2070	
02/06/2027		02/06/2046		02/06/2063		02/06/2070		00/00/0000	
गुरु	20/07/2013	शनि	05/06/2030	बुध	29/10/2048	केतु	29/10/2063	शुक्र	01/10/2073
शनि	01/02/2016	बुध	12/02/2033	केतु	26/10/2049	शुक्र	28/12/2064	सूर्य	02/10/2074
बुध	09/05/2018	केतु	24/03/2034	शुक्र	26/08/2052	सूर्य	05/05/2065	चंद्र	01/06/2076
केतु	14/04/2019	शुक्र	24/05/2037	सूर्य	02/07/2053	चंद्र	04/12/2065	मंगल	02/08/2077
शुक्र	13/12/2021	सूर्य	06/05/2038	चंद्र	02/12/2054	मंगल	03/05/2066	राहु	01/08/2080
सूर्य	02/10/2022	चंद्र	05/12/2039	मंगल	29/11/2055	राहु	21/05/2067	गुरु	02/04/2083
चंद्र	01/02/2024	मंगल	13/01/2041	राहु	17/06/2058	गुरु	26/04/2068	शनि	02/06/2086
मंगल	07/01/2025	राहु	20/11/2043	गुरु	22/09/2060	शनि	05/06/2069	बुध	21/04/2087
राहु	02/06/2027	गुरु	02/06/2046	शनि	02/06/2063	बुध	02/06/2070		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 1 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्न में हुआ था। जन्मकाल-मेदिनीय क्षितिज वृषभ राशि का नवमांश तथा मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस जन्म के समायोजन की वास्तविकता तो यह दृष्टिगत हो रहा है कि आप अपना दीर्घायु योग से प्रभावित सुखमय जीवन-व्यतीत करेंगे।

आपका जीवन सतत उत्तेजनात्मक प्रवृति से युक्त रहेगा। यदि आप सुव्यवस्थित ढ़ंग से कठिन श्रम के प्रति समर्पित भावना से युक्त होकर तथा दुःसाहसिक प्रवृति को त्याग कर ठोस निर्णयानुसार कार्य सम्पादन करें तो आप सन्तोषजनक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप प्रायः अपने निर्णय के प्रतिकूल आकस्मिक रूप से नयी नीति के प्रति अन्वेषनात्मक परिवर्त्तनीय आचरण अपना लेते हैं। अस्तु आपको इस प्रकार की स्पन्दित प्रवृति को त्यागना पड़ेगा।

आप उच्चकोटि के महत्वकांक्षी है तथा आप अत्यधिक धन संचय करना चाहते हैं। आपको अपने कार्य सम्पादन की नीति को अपनी आवश्यकता के अनुरूप फैलाना एक वास्तविक प्रक्रिया हो सकती है। आप निश्चयपूर्वक एक साहसी एवं उद्यमी हैं। आप अपनी योजना को पूर्ण रूपेण सफलीभूत करेंगे। अर्थात् आपको आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए अच्छे लाभांश की प्राप्ति होगी।

आप स्वाभाविक रूप से एक वणिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप व्यवसायिक वातावरण में अपना धन निवेश हेतु प्रवृत होंगे। परन्तु आप सतर्कता पूर्वक निवेश के लिए धन का लाभांश क्षीण या आंशिक रूप में प्राप्त न हो। यह विचार कर अपना कदम बढ़ाएंगे। इसलिए आपको लेखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य जैसा पदभार ग्रहण करने के लिए प्रस्तुत होना चहिए। आप सर्वथा सम्पादन कारिता, अध्यापन कार्य, परीक्षक कार्य आदि से सम्बन्धित कार्य आपके लिए स्वाभाविक है।

आप लोगों के कार्यकलाप क्या ठीक करते है अथवा क्या गलत करते है की आलोचना करेंगे। आप पूर्ण शिक्षित एवं कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप उनकी त्रुटिपूर्ण आचरण के प्रति तर्कता पूर्वक स्थित रह कर उनकी दुर्बलता का ध्यान रखेंगे।

आप नकारात्मक विशेषताओं की शुद्धिकरण करेंगे। परिणाम-स्वरूप आपके कुछ मित्रों में से अधिकांश व्यक्ति आपके शत्रु बन जाएंगे तथा आपके व्यवहार से असन्तुष्ट होकर, आपको जन सामान्य की दृष्टि में बेनकाब कर न्यायालय तक ले जा सकते है। अतः आप अन्य लोगों की अति आलोचना नहीं करे। अर्थात् दूसरों के लिए दुष्कर वातावरण का निर्माण नहीं करे। आप सर्वथा अपने मित्रों एवं अधिनस्थ कर्मचारियों का उपयुक्त चयन किया करें ताकि वे आपके लिए हितकर हों।

आप धार्मिक-ग्रन्थों का अध्ययन कर जीवन का यथेष्ठ अनुभव प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अपनी शिक्षा का अभ्यास असंभावित रूप से नहीं कर सकेंगे। आप अनेकों वासनात्मक मित्रों के साथ संगठित होकर आनन्द प्राप्त करना चाहेंगे। आप इस प्रकार के अध्यवसाय से

प्रतिकूल आचरण करें अन्यथा आपका मधुर पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हों सकता है। आपका अच्छे व्यवहार तथा स्नेह प्रदान करने वाली पत्नी एवं अच्छी सन्तान होंगी जो अच्छी प्रकार से आपका जीवन व्यतीत करेंगी।

आपके जीवन का महत्वपूर्ण अंश आपका हृष्ट पुष्ट शरीर एवं प्रसन्नतम जीवन होगा। आपको अपने स्वास्थ्य सम्बन्धीं यथा पाचन क्रिया एवं नसों की दिक्कतों से संबंधित रोगों के प्रति भली प्रकार सावधानी बरतनी चाहिए। क्योंकि ये अति संवेदनशील बाते हैं। अन्यथा आप दस्त सम्बंधी रोग, टायफाईड अथवा स्नायविक घबराहट जैसे रोग के कारण आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। अस्तु आपकों चिकित्सक की राय ग्रहण करना चाहिए तथा दूषित खाद्य पदार्थो को त्यागकर शाकाहार को प्राथमिकता देनी चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं अंक 1 एवं 8 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट एवं अनुकूल रंग सफेद, पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला, एवं नीला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।